

SCO परिषिद के प्रमुखों की बैठक

प्रलिमिस के लिये:

बेलट एंड रोड इनशिएटिवि, इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरडिओर, क्लाइमेट चैंज।

मेन्स के लिये:

शंघाई सहयोग संगठन।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीन ने **शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** के शासनाध्यक्षों की बैठक की मेज़बानी की।

- संगठन के व्यापार और आरथिक एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करने एवं SCO के वार्षिक बजट को मंजूरी देने के लिये SCO के शासनाध्यक्षों की बैठक सालाना आयोजिती की जाती है।
- भारत ने वर्ष 2023 के लिये SCO के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला है और 2023 के मध्य में दलिली में एक शाखिर सम्मेलन में सभी SCO देशों के नेताओं की मेज़बानी करेगा।
- इससे पहले **SCO शाखिर सम्मेलन 2022** हाल ही में उज़्बेकसितान के समरकंद में आयोजित किया गया था।

प्रमुख बातें

- SCO सदस्य देशों के प्रतिनिधिमिंडलों के प्रमुखों ने वैश्वकि और क्षेत्रीय वकिास के प्रमुख मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया, SCO के भीतर व्यापार, आरथिक, सांस्कृतिक व मानवीय सहयोग बढ़ाने के लिये प्राथमिकता वाले कदमों पर चर्चा की।
- भारत ने कहा कि SCO सदस्यों के साथ उसका कुल व्यापार केवल 141 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है, जिसके कई गुना बढ़ने की क्षमता है।
 - SCO देशों के साथ भारत का अधिकांश व्यापार चीन के साथ है, जो वर्ष 2022 में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया, जबकि रूस के साथ व्यापार 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर से कम है।
 - मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से कम है और पाकिस्तान के साथ यह लगभग 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर है।
- चीन के **BRI (बेलट एंड रोड इनशिएटिवि)** पर निशाना साधते हुए, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (POK) के कुछ हिस्सों से होकर गुज़रता है, भारत ने कहा कि कनेक्टिविटी परियोजनाओं को सदस्य राज्यों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिये और अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिये।
- भारत ने मध्य एशियाई राज्यों के हितों की केंद्रीयता पर नियमित SCO क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो इस क्षेत्र की आरथिक क्षमता को बढ़ाएगा जिसमें चाबहार बंदरगाह और **अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षणि परिवहन कॉरडिओर (INSTC)** सक्षम बन सकते हैं।
- भारत ने **जलवायु परवर्तन** की चुनौती से लड़ने की अपनी प्रतिविद्धता और इस दशा में हासिल की गई उपलब्धियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।
- भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह और आईएनएसटीसी के माध्यम से अधिक व्यापार के लिये ज़ोर दिया, जिसका भारत हसिसा है, इसका लक्ष्य मध्य एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में सुधार करना है।
- बैठक के बाद भारत को छोड़कर सभी देशों का नाम लेते हुए एक संयुक्त विजिप्टा जारी की गई, जिसमें "यूरेशियन आरथिक संघ के नियमण के साथ 'बेलट एंड रोड' नियमण के संरेखण को बढ़ावा देने के काम सहित बीआरआई के लिये उनके समर्थन की पुष्टिकी गई।"

शंघाई सहयोग संगठन:

परिचय:

- यह एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। इसे वर्ष 2001 में बनाया गया था।

- SCO चार्टर वर्ष 2002 में हस्ताक्षरति किया गया था और वर्ष 2003 में लागू हुआ।
 - यह एक यूरोशियाई राजनीतिक, आरथिक और सेन्य संगठन है जिसका लक्षण इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा तथा स्थरिता बनाए रखना है।
 - इसे **उत्तर अटलांटिक संघर्षण (NATO)** के प्रतिकार के रूप में देखा जाता है, यह नौ सदस्यीय आरथिक और सुरक्षा ब्लॉक है तथा सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।
- आधिकारिक भाषाएँ:**
 - रूसी और चीनी।
 - स्थायी निकाय:**
 - बीजिंग में SCO सचिवालय।
 - ताशकंद में **क्षेत्रीय आतंकवाद वरिष्ठी संरचना (RATS)** की कार्यकारी समिति।
 - अध्यक्षता:**
 - अध्यक्षता एक वर्ष पश्चात् सदस्य देशों द्वारा रोटेशन के माध्यम से की जाती है।
 - उत्पत्ति:**
 - वर्ष 2001 में SCO के गठन से पहले कजाखस्तान, चीन, करिङ्जिस्तान, रूस और ताजकिस्तान शंघाई फाइव के सदस्य थे।
 - शंघाई फाइव (1996) सीमाओं के सीमांकन और वसिन्यीकरण वारता की एक शृंखला से उभरा, जिसे चार पूर्व सोवियत गणराज्यों ने चीन के साथ सीमाओं पर स्थरिता सुनिश्चित करने के लिये आयोजित किया था।
 - वर्ष 2001 में संगठन में उज्बेकस्तान के शामिल होने के बाद शंघाई फाइव का नाम बदलकर SCO कर दिया गया।
 - भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके सदस्य बने।
 - वर्तमान सदस्य: कजाखस्तान, चीन, करिङ्जिस्तान, रूस, ताजकिस्तान, उज्बेकस्तान, भारत और पाकिस्तान।
 - ईरान 2023 में SCO का स्थायी सदस्य बनने के लिये तैयार है।

बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि परयोजना (BRI):

- बेल्ट एंड रोड इनशिएटिवि (BRI) एक महत्वाकांक्षी परयोजना है जो एशिया, अफ्रीका और यूरोप महाद्वीप में फैले कई देशों के बीच कनेक्टिविटी एवं सहयोग पर केंद्रित है। बीआरआई लगभग 150 देशों (चीन का दावा) में फैला हुआ है।
- वर्ष 2013 में प्रारंभ में इस परयोजना में रोडवेज़, रेलवे, समुद्री बंदरगाहों, पावर ग्राउंड, तेल और गैस पाइपलाइन तथा संबंधित बुनियादी ढाँचा परयोजनाओं के नेटवर्क का निर्माण शामिल है।
- इस परयोजना के दो भाग हैं।
 - सलिक रोड इकोनॉमिक बेल्ट:** यह चीन को मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप और पश्चिमी यूरोप से जोड़ने हेतु भूमिका निभा रहा है।
 - 21वीं सदी का समुद्री रेशम मार्ग:** यह चीन के दक्षिणी तट को भूमध्यसागर, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया से जोड़ने हेतु समुद्री मार्ग है।

China's rocky road

Despite objections, Beijing's Belt and Road Initiative – which aims to create a network of ports, bridges and rail lines linking China with Africa and Europe – is chugging along. But some countries have voiced concerns over the project, while cracks have started to appear in the programme in various nations

The Belt and Road Initiative is an umbrella term for mostly China-financed and usually China-built projects in more than 60 countries. Graphic shows maritime and overland trade routes under the project

CRACKS IN THE NETWORK

- The initiative has run into some roadblocks in the past year, as the Chinese economy cooled and the U.S. and others accused Beijing of saddling developing countries with too much debt. Some countries, including Thailand, Tanzania, Sri Lanka and Nepal, have scrapped, scaled back or renegotiated projects amid complaints that they are too costly and give too little work to local contractors.
- Last year, Malaysian PM Mohamad cancelled projects, including a \$20 billion railway, he said his country cannot afford. And in 2017, Sri Lanka sold control of its port of Hambantota after falling behind in repaying \$1.5 billion in loans from Beijing.

CHINA VS OTHERS

- China says some 150 countries have signed Belt and Road-related agreements since the programme's launch more than five years ago.
- China's official position is that it is solely an economic initiative with no political motives. President Xi Jinping said in a speech late last year that China would never seek hegemony.
- Some countries, including the U.S., Japan and India, worry that Beijing is trying to build a China-centered sphere of influence that would undermine their own sway, pulling developing nations into so-called "debt traps" that would give China even-more control over their territories.

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

?????????

Q. कभी-कभी समाचारों में 'बेल्ट एंड रोड इनशिएटवि' का उल्लेख कसिके संदर्भ में किया जाता है? (2016)

- (a) अफ्रीकी संघ
- (b) ब्राज़ील
- (c) यूरोपीय संघ
- (d) चीन

उत्तर: (d)

Q. नमिनलखिति पर विचार कीजिये: (2022)

1. एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक
2. मस्साइल परोद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था
3. शंघाई सहयोग संगठन

उपर्युक्त में से भारत कसिका सदस्य है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

?????

Q. SCO के उद्देश्यों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। भारत के लिये इसका क्या महत्व है? (2021)

स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/meeting-of-the-sco-council-of-heads>